|b09291 57ballaF (English)

|c09291_000_57balla.xml (Task 179216)

|v1

रविवार का दोपहर सत्र

|v2

जनरल सम्मेलन

|v3

रविवार का दोपहर सत्र

|v4

3 अक्टूबर 2010

|v5

ओह दुष्ट की वो धूर्त योजना

|v6

व्यसन

|v7

ज्ञान के शब्द

|v8

प्रार्थना

|v9

प्रायश्चित

|v10

जनरल सम्मेलन

|v11

ओह दुष्ट की वो धूर्त योजना

|v12

एल्डर एम. रसल बलार्ड द्वारा

|v13

बारह प्रेरितों की परिषद के

|v14

व्यसन करनेवालों के लिए आशा है, और यह आशा प्रभु यीशु मसीह के प्रायश्चित द्वारा आती है ।

|v15

भाइयों और बहनों, यहां पथरीली पहाड़ियों पर पतझड़ के मौसम का आगमन अपने साथ पत्तियों के बदलते हुए महिमापूर्ण रंगों को भी लाता है जैसे कि हरे से आग के समान के नारंगी, लाल, और पीले रंगों को । पतझड़ के समय सम्पूर्ण प्रकृति, जाड़े और शीतकालिन सौम्य सुन्दरता की तैयारी के लिए, परिवर्तन के दौर से गुजरती है ।

|v16

विशेषकर पतझड़ का मौसम फ्लाई फिशिंग (मछली पकड़ने का एक तरीका) करने वाले मछुवारों के लिए उत्साह का समय होता है, क्योंकि यही वह समय होता है जब सर्दी में भूख से बेहाल ट्राऊट (एक प्रकार की मछली) अपने शरीर को ताकत देने के लिए भोजन पर एकदम लपक पड़ती है ।

|v17

मछुवारे का उद्देश्य मछली को चतुराई से धोखा देकर पकड़ना होता है । निपुण मछुवारा मछली के आचरण, मौसम, पानी की धारा, और जिस प्रकार के कीड़ों को मछली खाती है और कब ये कीड़े बच्चे देते हैं, का अध्ययन करता है । अक्सर वह हाथ से उस ललचाने वाले नकली कीड़े (चारे) को स्वंय बनाता है । वह जानता है कि छोटे-छोटे कांटों में इन नकली कीड़ों को एकदम सफाई से लगाना चाहिए वरना मछली छोटी सी भी गलती को पहचान जाएगी और इस पर नहीं लपकेगी ।

|v18

कितना रोमांचक होता है यह देखना कि मछली पानी की सतह को चीरकर आती है, चारे (नकली कीड़े) को निगल लेती है, और तब तक बचने का प्रयास करती है जब तक कि थक न जाए और उसे लपेट कर ऊपर खींच न लिया जाए । मछुवारे का नाश करने वाले ज्ञान और कौशल की परिक्षा सीधी-साथी मछली के विरूद्ध होती है ।

|v19

एख मछली को मूर्ख बनाने और पकड़ने के लिए नकली चारे का उपयोग एक उस प्रकार का उदाहरण है जिससे लूसीफर अक्सर हमें लालच में डालता है, छलता है, और जाल में फंसाने का प्रयास करता है ।

|v20

मछुवारे के समान जो जानता है कि मछली भूख से खींची चली आती है, लूसीफर हमारी ''भूख,'' या कमजोरियों को जानता है, और हमें नकली चारे द्वारा लालच में डालता है, जिसमें, यदि हम फंस जाएं तो झटके से हमें जीवन की धारा से अपने निर्दयी प्रभावों की ओर खींच लेता है । और मछुवारे के विपरित जो कि मछली को पकड़ता है और बिना नुकसान पहुँचाए वापस पानी में छोड़ देता है, लूसीफर स्वेच्छा से नहीं जाने देगा । उसका उद्देश्य है अपने शिकार को उसी के समान दुखी करना ।

|v21

लेही ने कहा, ''और स्वर्ग से पतित होकर घृणास्पद बन जाने के कारण वह [लूसीफर] सारी मनुष्यजाति के लिए दुर्गति करने का उपाय ढूँढ रहा है'' (2 नफी 2:18) ।

|v22

आज मैं अपने भाइयों की आवाज से अपनी आवाज मिलाता हूं कि लूसीफर चालाक और धूर्त है । हमारे विरूद्ध वह एक झूठ बोलने और धोखा देने की एक मुख्य प्रक्रिया का उपयोग करता हैं हमें यह धोखा हुए कि बुराई सही है और अच्छाई बुरी है । स्वर्ग में आरंभ में हुई महान परिषद से ही, शैतान ''मनुष्य की स्वतंत्रता का नाश करने का प्रयास कर रहा है, जिसे मैंने, प्रभु परमेश्वर ने उसे दिया था । ...

|v23

''और वह शैतान बन गया, हां, यहां तक कि दुष्ट, सारे झूठ का जन्मदाता, लोगों को धोखा देने और अन्धा बनाने के लिए, और अपनी इच्छानुसार दासता में उन्हें ले जाने के लिए'' (मूसा 4:3–4) ।

|v24

परमेश्वर द्वारा दी गई मनुष्य की स्वतंत्रता पर युद्ध आज भी जारी है । शैतान और उसके अनुचर हमारे चारों तरफ लालच का जाल फैलाते हैं, आशा करते हुए कि हम डगमगा जाएंगे और उसकी चाल में फंस जाएंगे फिर वह हमें नकली माध्यमों में लपेट लेगा । हमारी स्वतंत्रता को चुराने के लिए वह व्यसन का उपयोग करता है । शब्दकोष के अनुसार, किसी भी प्रकार का व्यसन का अर्थ है किसी चीज पर इतना निर्भर होना, कि अन्ततः स्वतंत्रता का त्याग कर देना, और जीवन को नष्ट करनेवाले किसी तत्व या आदत के आधीन हो जाना ।1

|v25

खोजकर्ता हमें बताते हैं कि हमारे दिमाग में एक प्रणाली होती है जिसे आनन्ददायक केन्द्र कहते हैं ।2 जब किसी मादक पदार्थ या आचरण द्वारा यह प्रणाली सक्रिय होती है, यह हमारे दिमाग के उस हिस्से पर कब्जा कर लेती है जो हमारी इच्छाशक्ति, न्याय, तर्क, और नश्वरता को नियंत्रित करती है । इससे व्यसन करने वाला/वाली, यह जानते हुए भी कि वह सही क्या है उसका त्याग कर देता/देती है । और जब ऐसा होता है, तो वह कांटें में फंस चुका/चुकी है और लूसीफर के काबू में है ।

|v26

शैतान जानता है कि किस प्रकार नकली तत्वों और अस्थायी आनन्ददायी आचरण द्वारा हमारा शोषण करना और हमें लुभाना है । मैंने उस प्रभाव की जांच की है जब कोई व्यक्ति शैतान के नियंत्रण से बाहर आने, विनाशकारी पीड़ा और व्यसन से आजाद होने, और आत्मसम्मान और आजादी को फिर से पाने के लिए संघर्ष करता है ।

|v27

अधिकतर व्यसनी बनानेवाले मादक पदार्थों में; निकोटिन, मन्द कर देनेवाले पदार्थ---हिरोइन, मोर्फिन, और अन्य दर्द निवारक, बेहोश करने वाली दवा; कोकीन; शराब; मैरीयुआना, और मेथाम्फिटेमाइन्स जैसी कुछ हैं जिनका यदि गलत सेवन किया जाए, तो ये हमारे दिमाग पर कब्जा कर सकती हैं और स्वतंत्रता को छीन सकते हैं ।

|v28

मैं डॉक्टरों के लिए कृतज्ञ हूं जिन्हें पीड़ा और दर्द को कम करने की उचित दवाई देने के लिए प्रशिक्षित किया गया है । दुर्भाग्यवश, आज हमारे समाज में कई लोग, जिसमें हमारे गिरजाघर के कुछ लोग भी शामिल हैं, जो इसके आदी हो जाते हैं और फिर दी गई दवाइयों का गलत उपयोग करते हैं । लूसीफर, सारे झूठ का जन्मदाता, इसे जानता है और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को चुराने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करता है और अपने बुरे तरीकों द्वारा गलत उपयोग करनेवालों को बंधक बनाता है (देखें 2 नफी 28:22) ।

|v29

हाल ही मैंने एक बहन से बात की जो कि एक स्थानीय अस्पताल के मनोचिकित्सक विभाग में भर्ती थी । उसने अपनी अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, एक अच्छे वैवाहिक और पारिवारिक जीवन से लेकर मानसिक रोगी, कमजोर स्वास्थ्य, और अपने परिवार से अलगाव की दुखभरी यात्रा के बारे में बताया---जो कि दी गई दर्द निवारक दवाइयों के गलत उपयोग से आरंभ हुई थी ।

|v30

हमारी बातचीत से दो साल पहले, एक कार दुर्घटना में उसकी कमर में चोट लग गई थी । लगभग असहनीय पीड़ा में आराम के लिए उसके डॉक्टर ने उसे एक दवाई निर्धारित की । उसने सोचा कि उसे इससे अधिक दवाई की आवश्यकता है, इसलिए उसने निर्धारित दवाई में जालसाजी की और अंततः हिरोइन खरीदने में सफल हो गई । ऐसा करने से उसे हिरासत में ले लिया गया और वह कैद हो गई । मादक पदार्थ की इस धुन के कारण उसका वैवाहिक जीवन तहस-नहस हो गया । उसके पति ने उसे तलाक दे दिया और बच्चों की देखभाल का जिम्मा अपने ऊपर ले लिया । उसने मुझे बताया कि उसकी पीड़ा को कम करने के साथ-साथ, मादक पदार्थ ने थोड़ी अवधि के लिए उसके उन्माद और आनन्द को बहुत ऊपर चढ़ा दिया था । परन्तु मादक दवा की हर खुराक कुछ घण्टे तक ही काम करती थी, और हर बार इसे लेने के कारण आराम की अवधि घटती जाती थी । उसने मादक पदार्थों का सेवन अधिक से अधिक करना आरंभ कर दिया और व्यसन के बहुत ही बुरे वबंडर में फंसती चली गई । मादक पदार्थ ही उसका जीवन बन गया । मुझसे बात करने से एक रात पहले, उसने आत्महत्या करने का प्रयास किया था । उसने कहा कि वह अब और शारीरिक, भावनात्मक, और आत्मिक पीड़ा को सहन नहीं कर सकती । उसने महसूस किया जाल से कि बाहर आने का कोई रास्ता नहीं था --- कोई आशा नहीं थी ।

|v31

दवाई निर्धारित करने और अन्य मादक पदार्थ का गलत उपयोग की बहन की समस्या अकेली नहीं है; ऐसा हम सबके आसपास हो रहा है । कई स्थानों पर मोटर-गाड़ी की दुर्घटनाओं से मरने की बजाय लोग दवाइयों के गलत उपयोग के कारण अधिक मरते हैं । 3 भाइयों और बहनों, किसी भी ऐसे पदार्थ से दूर रहें जो आपको अपने जाल में फंसा सकता है । किसी भी चीज को एक बार सुंघना या एक गोली लेना या शराब का एक घूँट पीना व्यसन की तरफ ले जा सकता है । एक ठीक हो रहे शराबी ने मुझे बताया कि व्यसन और संयम के बीच केवल एक घूँट का अंतर है । शैतान यह जानता है । उसके नकली चारों में अपने आपको फंसने न दें जो कि शीघ्र ही एक व्यसन में परिवर्तित हो सकता है ।

|v32

भाइयों और बहनों, कृपया जो मैं कह रहा हूं उसे गलत मत समझिए । वे लोग जो ठीक होनेवाली बीमारी या अत्याधिक शारीरिक पीड़ा से ग्रस्त हैं उन के लिए निर्धारित दवाइयों पर मैं प्रश्न नहीं उठा रहा हूं । वास्तव में यह एक आशीष है । मैं जो कह रहा हूं वो यह है कि डॉक्टरों द्वारा बताई गई दवा इयों की खुराक पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है । और इस तरह की दवाइयों को हमें सुरक्षित स्थान पर रखने की आवश्यकता है जहां छोटे बच्चे या कोई और उन तक न पहुँच सके ।

|v33

कुछ हानिकरक, लत लगाने वाले व्यवहार जैसे जुआ और अश्लीलता भी चिन्ता का विषय है जो कि व्यक्तिगत तौर पर बहुत ही विनाशकारी है और हम ारे समाज में तेजी से फैल रही है । भाइयों और बहनों, याद रखें, किसी भी चीज से हार मानना एक प्रकार की लत है, स्वतंत्रता को त्यागना और उस पर निर्भर होना है । इसलिए, सेल फोन पर विडियो गेम और संदेश देने को भी इस सूची में जोड़ने की आवश्यकता है । कुछ खेल खेलनेवाले दावा क रते हैं कि वे विडियो गेम के एक स्तर से दूसरे स्तर और उससे भी आगे बढ़ते हुए एक दिन में 18
घंटे तक बीता देते हैं, अपने जीवन के अन्य जरूरी कामों की उपेक्षा करते हुए । आपसी बातचीत के गुम खोने का करण बनते हुए, सेल फोन पर लि खकर बातचीत करना एक गन्दी आदत बन सकती है । थोड़े ही दिनों पहले एक धर्माध्यक्ष ने मुझे अपने दो युवाओं के बारे में बताया था जो एक दूसरे की बगल में खड़े होते हुए भी एक दूसरे के साथ बोलकर बात करने की बजाय लिखकर बातचीत कर रहे थे ।

|v34

चिकित्सा खोज ने व्यसन का ''दिमाग की एक बीमारी''4के रूप में वर्णन किया है । यह सच है, परन्तु मेरा मानना है कि यदि कोई एक बार शैतान की गिरफ्त में आ जाता है, यह आत्मा की बीमारी भी बन जाती है । लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किस व्यसन के चक्करव्यूह में फंसे हो, ह मेशा आशा रखनी चाहिए । भविष्यवक्ता लेही ने इस अनन्त सच्चाई को अपने पुत्रों को सीखाया थाः ''इसलिए शरीर से मनुष्य स्वतंत्र है; और सभी व स्तु जो मानव हित के लिए है, वे उन्हें दे दी गई हैं । और मनुष्य के लिए महान मध्यस्थता के द्वारा वे स्वतंत्रता और अनन्त जीवन, या शैतान की दास ता और उसके बल के अनुसार दासता और मृत्यु चुनने में स्वतंत्र है'' (2 नफी 2:27) ।

|v35

यदि कोई व्यक्ति जो व्यसन का शिकार है और इससे उबरने की इच्छा रखता हो, तो फिर आत्मिक आजादी का एक मार्ग है---दासता से बचने का एक तरीका---वह मार्ग जो साबित हो चुका है । यह एक सच्ची, उत्साही, और हमारी आत्मा और शरीर के सृष्टिकर्ता, अपने स्वर्गीय पिता से निरन्तर बातच ीत से आरंभ होती है । किसी बुरी आदत को छोड़ने या किसी भी प्रकार के पाप से पश्चाताप करने का एक ही सिद्धान्त है । हमारे हृदय, हमारे शरीर, हमारे मन, और हमारी आत्मा के परिवर्तित होने का सूत्र धर्मशास्त्रों में पाया जाता है ।

|v36

भविष्यवक्ता मॉरमन ने हमें सलाह दी थीः ''इसलिए मेरे प्रिय बन्धुओं, अपने हृदय की सम्पूर्ण शक्ति के द्वारा इस प्रेम से परिपूर्ण होने के लिए पिता से प्रार्थना करो ... ; ताकि तुम परमेश्वर के पुत्र बन सको; ... ताकि हम उसी प्रकार निर्मल किए जाएंगे जैसा कि वह स्वयं निर्मल है'' (मरोनी 7:48) ।

|v37

ये और कई अन्य धर्मशास्त्र हमें गवाही देते हैं कि व्यसन करनेवालों के लिए आशा है, और व्यसन की दासता से आजाद होने की याचना करते हुए और उत्साही प्रार्थना में अपनी पूरी आत्मा को उसपर उंडेलते हुए, यह आशा प्रभु यीशु मसीह के प्रायश्चित और परमेश्वर के समक्ष विनम्र होने के द्वारा आ ती है ।

|v38

व्यसन करनेवाले यदि सलाह मशवरा चाहते हैं तो पौरोहित्य मार्गदर्शक उनकी सहायता कर सकते हैं । जहां आवश्यक हो, वे उन्हें योग्य अनुज्ञापत्र धारक सलाहकारों और अ.दि.स. की पारिवारिक सेवाओं को संदर्भ कर सकते हैं । व्यसन मुक्ति कार्यक्रम, जो मादक पदार्थो के उपनाम के 12 असली चरणों से लिया गया है, अ.दि.स. की पारिवारिक सेवाओं द्वारा यह आसानी से उपलब्ध है ।

|v39

उनके लिए जो व्यक्तिगत तौर पर या अपने परिवार में व्यसन की समस्या से जूझ रहे हैं, मैं दोहराता हूं, शान्ति प्राप्त करने और व्यसन से बाहर निकलने के आत्मिक बल को प्राप्त करने के लिए उत्साही प्रार्थना ही मूल सूत्र है । स्वर्गीय पिता अपने सभी बच्चों से प्रेम करता है, इसलिए उसे धन्यवाद दें और उसमें सच्चे विश्वास को व्यक्त करें । जिस व्यसन का आप अनुभव कर रहे हैं उसपर विजय प्राप्त करने के बल के लिए उससे प्रार्थना करें । सारे घमंड को ताक में रख दें और अपना जीवन और अपना मन उसपर लगा दें । मसीह के शुद्ध प्रेम की शक्ति से परिपूर्ण होने के लिए प्रार्थना करें । ऐसा आपको कई बार करना पड़ सकता है, परन्तु मैं आपको गवाही देता हूं कि आपका शरीर, मन, और आत्मा बदल जाएंगे, स्वच्छ हो जाएंगे, और संपूर्ण बन जाएंगे, और आप आजाद होंगे । यीशु ने कहा था, ''जगत की ज्योति मैं हूं; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा'' (यूहन्ना 8:12) ।

|v40

क्योंकि हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक अपने उद्धारकर्ता के समान बनना और अंततः अपने स्वर्गीय पिता के साथ रहने के योग्य ठहरना है, हममें से हर एक को मॉरमन की पुस्तक के भविष्यवक्ता अलमा द्वारा वर्णन किए गए अपने हृदयों के बलशाली बदलाव को अनुभव करने की आवश्यकता है (देखें अलमा 5:14) । स्वर्ग के पिता और प्रभु यीशु मसीह के प्रति हमारा प्रेम हमारे नियमित चुनावों और क्रियाओं में दिखाई देना चाहिए । उन्होंने उन लोगों के लिए शान्ति, खुशी, और आनन्द का वादा किया है जो उसकी आज्ञाओं को मानते हैं ।

|v41

भाइयों और बहनों, हम उन नकली कीड़ों से सावधान रहें जो हमारे सामने छलावे से लोगों के मछुवारे, लूसीफर द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं । कई असुरक्षित उपहारों को पहचानने और अस्वीकार करने का विवेक और आत्मिक ज्ञान हमारे पास हो ।

|v42

और आप में से उन सभी के लिए जो कि किसी भी प्रकार के व्यसन का शिकार हो गए हैं, आशा है क्योंकि परमेश्वर अपने सभी बच्चों से प्रेम करता है और प्रभु यीशु मसीह के प्रायश्चित के कारण सारी चीजें संभव हैं ।

|v43

मैंने ठीक होने की अदभुत आशीषों को देखा है जो किसी व्यक्ति को व्यसन की बेड़ियों से आजाद कर सकती है । प्रभु हमारा चरवाहा है, और हमें कोई घाटी न होगी जब हम प्रायश्चित की शक्ति में विश्वास करते हैं । मैं जानता हूं कि प्रभु व्यसन करनेवालों को उनकी दासता से आजादी दिला सकता है और दिलाएगा, क्योंकि प्रेरित पौलुस ने घोषित किया था, ''जो मुझे सामर्थ देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूं'' (फिलिप्पियों 4:13) । मैं प्रार्थना करता हूं, मेरे भाइयों और बहनों, कि ऐसा उन लोगों के साथ हो सके जो इस समय अपने जीवन में इस चुनौती से जूझ रहे हों, और यीशु मसीह के नाम में विनम्रतापूर्वक ऐसा ही हो, आमीन ।

|v44

विवरण

|v45

1.

|v46

संज्ञा के रूप में, *व्यसन* के तीन बोध हैं, एक है ‘‘स्वामी के प्रति आत्मसमर्पण’’

audioenglish.net/dictionary/addiction.htm) ।

|v47

2.

2.

|v48

देखें National Institute on Drug Abuse, *Drugs, Brains, and Behavior—the Science of Addiction* (2010), 18, drugabuse.gov/scienceofaddiction/sciofaddiction.pdf ।

|v49

3.

|v50

देखें एरिका पॉटर, “Drug Deaths Overtake Auto Deaths in Utah,” दिस. 2009,

universe.byu.edu/node/4477 ।

|v51

4.

|v52

देखें Institute on Drug Abuse, “The Neurobiology of Drug Addiction,” खण्ड IV, सं 30,

drugabuse.gov/pubs/teaching/teaching2/teaching5.html; भी देखें

drugabuse.gov/funding/budget08.html ।

|v53

लियाहोना

नवंबर 2010